सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 13 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 14 फरवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

यदि आप दृढ संकल्प और पूर्णता के साथ काम करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी।
-धीरूभाई अंबानी

जिबावे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से... 7 | बिहार में जारी है अब भी सियासी... 3 | भाजपा ने कानपुर की पहचान को... 2

इंदिरा गांधी को बनाया औजार, राहुल पर वार

निशिकांत दुबे एक बार फिर संकटमोचक की भूमिका में सामने आए

» सांसद निशिकांत दुबे के तरकश के तीर इतिहास के सबसे विस्फोटक अध्याय से निकाले गये

» इससे पूर्व में सांसद निशिकांत दुबे ने संसद में 4पीएम पर भी लगा चुके हैं आरोप

» संसद में राहुल गांधी द्वारा भारत माता को बेच देने जैसे आरोपों से बौखला गयी सरकार

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बजट सत्र में दागे गए सवाल अब केवल सवाल नहीं रहे। वह सियासत के आसमान में उठे ऐसे बवंडर बन चुके हैं जिसने सत्ता की सबसे मजबूत दीवारों को भी हिला दिया है।

संसद के भीतर शुरू हुआ यह हमला अब राजनीतिक चक्रवात में बदल चुका है और इस चक्रवात से बचने के लिए सत्ता ने एक बार फिर अपने सबसे भरोसेमंद योद्धा को मैदान में उतारा है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे एक बार फिर संकटमोचक की भूमिका में सामने आए हैं। लेकिन इस बार उनके तरकश का तीर केवल राहुल गांधी नहीं, बल्कि इतिहास के सबसे विस्फोटक अध्याय से निकाला गया है।

राहुल गांधी पर राष्ट्र विरोधी ताकतों का साथ देने का अरोप

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा है कि उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ मूल प्रस्ताव शुरू किया है और उन पर राष्ट्र विरोधी ताकतों के साथ होने का आरोप लगाया। यह कदम लोकसभा में एक दिन पहले हुई तीखी बहस के बाद सामने आया जब राहुल गांधी ने भारत अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया था कि इस समझौते में भारत और उसके नागरिकों के हितों से समझौता किया गया है और भारत माता को बेच दिया गया है। उनके इस बयान पर सत्तापक्ष के सांसदों ने जोरदार विरोध किया और इसे असंसदीय बताते हुए रिकार्ड से हटाने की मांग की। इसके बाद भाजपा सांसदों ने विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की घोषणा की और राहुल गांधी पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया।

इंदिरा गांधी पर हो चुकी कार्रवाई को बनाया आधार

निशिकांत दुबे ने दिसंबर 1978 की उस घटना से तुलना की, जब इसी तरह के प्रस्ताव के आधार पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त कर दी गई थी और उन्हें जेल भी भेजा गया था। संसदीय प्रक्रिया में मूल प्रस्ताव एक स्वतंत्र और स्पष्ट प्रस्ताव होता है, जिसे सदन के सामने निर्णय या राय व्यक्त करने के लिए रखा जाता है। इसे स्वीकार कर सदन में पेश किए जाने के बाद इस पर बहस होती है और अंत में मतदान कराया जाता है।निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी पर विशेषाधिकार हनन का आरोप लगाते हुए उनके लोकसभा सदस्य पद को रद्द करने और भविष्य के चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में 1978 के संसदीय रिकार्ड के अंश भी दिखाए और लिखा कि इसी तरह के प्रस्ताव के आधार पर इंदिरा गांधी की सदस्यता समाप्त हुई थी और उन्हें जेल भेजा गया था। 1978 का मामला 22 नवंबर 1978 को लोकसभा में पेश किए गए मूल प्रस्ताव से जुड़ा था। यह प्रस्ताव विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट के आधार पर लाया गया था जिसमें इंदिरा गांधी को सदन की अवमानना और विशेषाधिकार हनन का दोषी पाया गया था।

राहुल के चाचा संजय गांधी भी आये जद में

आरोप 1975 के आपातकाल के दौरान की गई कार्रवाई से जुड़े हैं। जिनमें उनके पुत्र संजय गांधी की मारुति परियोजना की जांच कर रहे चार सरकारी अधिकारियों को कथित रूप से बाधित करने डराने-धमकाने और झूठे मामले दर्ज कराने का उल्लेख था। लंबी बहस के बाद 19 दिसंबर 1978 को तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई द्वारा लाया गया प्रस्ताव पारित हुआ। इसके परिणामस्वरूप इंदिरा गांधी को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया और उन्हें संसदीय सत्र की शेष अवधि के लिए तिहाड़ जेल भेज दिया गया। हालांकि यह निष्कासन स्थायी नहीं रहा और 7 मई 1981 को सातवीं लोकसभा ने निर्णय वापस ले लिया जब इंदिरा गांधी प्रचंड बहुमत के साथ फिर सत्ता में लौटीं।

कांग्रेस ने प्रस्ताव को खारिज किया

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सरकार की ओर से लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल समर्थन करना नहीं बल्कि सवाल पूछना और जवाबदेही तय करना भी है। पार्टी का कहना है कि विपक्ष के नेता को सरकार और प्रधानमंत्री की नीतियों की आलोचना करने का संवैधानिक और नैतिक अधिकार प्राप्त है। विशेष रूप से तब जब मुद्दे सीधे तौर पर देश की ऊर्जा सुरक्षा, किसानों के भविष्य और आम जनता की आर्थिक स्थिरता से जुड़े हों। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में ऊर्जा क्षेत्र में लिए जा रहे फैसले और किसानों से जुड़े नीतिगत बदलाव केवल आर्थिक नहीं है बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय महत्व के विषय भी हैं। ऐसे में यदि विपक्ष इन मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगता है या नीतियों पर सवाल उठाता है तो इसे राष्ट्रविरोधी या गैर जिम्मेदाराना करार देना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार आलोचना से बचने के लिए राजनीतिक आरोपों का सहारा ले रही है जबकि उसे ठोस तथ्यों और पारदर्शिता के साथ जवाब देना चाहिए।

संदेश साफ है

निशिकांत दुबे ने सीधा हमला करते हुए राहुल गांधी की दादी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के उस राजनीतिक पतन की याद दिलाई है। जब दिसंबर 1978 में विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव के बाद उनकी लोकसभा सदस्यता समाप्त कर दी गई थी और उन्हे जेल तक जाना पड़ा था। यह केवल एक ऐतिहासिक संदर्भ नहीं है। राहुल गांधी को यह एक खुली चेतावनी है संदेश साफ है संसद की तलवार इतिहास में भी चली है और आज भी चल सकती है। दरअसल पूरा घटनाक्रम उस समय भड़का जब राहुल गांधी ने संसद के भीतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर सीधे तीखे और असहज करने वाले आरोप लगाए। आरोप इतने तीखे थे कि सत्ता पक्ष ने पहले उन्हें हल्के में लेने की कोशिश की फिर नैरेटिव बदलने का प्रयास किया लेकिन जब कोई रणनीति काम नहीं आई तब संसदीय नियमों के हथियार को धार देने का फैसला किया गया। सरकार ने सीधे कार्रवाई से कदम पीछे खींचे क्योंकि इससे राहुल गांधी को राजनीतिक सहानुभूति मिल सकती थी। लेकिन रणनीति बदली गई और अब वही हमला एक निजी सदस्य के प्रस्ताव के जरिए किया जा रहा है।

भाजपा ने कानपुर की पहचान को पूरी तरह धूमिल कर दिया : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख बोले- फलते-फूलते औद्योगिक केंद्र को 'बदनामपुर' बना दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियों और प्रशासनिक विफलताओं ने उत्तर प्रदेश के कभी सबसे बड़े औद्योगिक केंद्र रहे कानपुर की पहचान को पूरी तरह धूमिल कर दिया है।

अखिलेश यादव नेभाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल ने कानपुर को बर्बाद कर दिया और कभी फलते-फूलते औद्योगिक केंद्र को 'बदनामपुर' बना दिया। यादव ने यहां सिविल लाइंस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, भारतीय जनता पार्टी ने कानपुर को 'बदनामपुर' बना दिया है। शहर का नाम आज कार पलटने, पुलिस-वकील के झगड़े और फर्जी मुठभेड़ों की वजह से सुर्खियों में है।

एक सच्चा योगी गुस्से या ताकत से काम नहीं लेता

उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'योगी' होने के दावों पर सवाल उठाया और कहा कि एक सच्चा योगी गुस्से या ताकत से काम नहीं लेता। यादव ने कहा, एक योगी हिंसा को बढ़ावा नहीं दे सकता या कुर्सी से चिपका नहीं रह सकता। अपने बयान में उन्होंने 'कानून का शासन' बोल दिया, जैसे ही इस बात पर उनका ध्यान जाएगा वो 'विधि का शासन' बोलने के लिए क्या दुबारा सदन बुलाएंगे या इसके लिए एक टांग पर खड़े होकर 'लड़खड़ाता प्रायश्चित' करेंगे। जब इंसान नहीं, अहंकार बोलता है तो यही होता है। अहंकार संस्कार को विकार में बदल देता है। वो व्यक्ति समाज में मान-सम्मान खो देता है, जिसके बारे में ये कहावत प्रचलित हो जाती है कि जब मुंह खोला, तब बुरा बोला। हाता नहीं भाता' का ये विस्तारित रूप है, यही सच्ची सच्चाई है। जिस समाज के ख़िलाफ़ रहकर उन्होंने हमेशा अपनी नफ़रत की राजनीति की है, उसे धर्म के मामले में भी अपमानित-पराजित करने का ये उनका अंहकार है। इनका बस चले तो जो विवादित फिल्म आई है उसका नाम बदले बिना ही रिलीज भी कर दें और टैक्स फ़्री भी कर दें। अगले चुनाव में वो समाज एक-एक वोट उनके खिलाफ डालकर अपने अपमान और उनके प्रदेश अध्यक्ष के नोटिस का सही जवाब देगा, उनकी सरकार हटाकर नयी सरकार बनाएगा फिर इत्मीनान-आराम से मिलजुलकर बेधड़क दाल-बाटी खाएगा। शंकराचार्य जी पर दिया गया अभद्र बयान सदन में हमेशा के लिए दर्ज हो गया है। उनके इस बयान को हम निंदनीय कहें तो निंदनीय शब्द को भी निंदनीय महसूस होगा।

सड़क हादसों, झगड़ों और प्रशासनिक कमियों से जूझा शहर

उन्होंने कहा कि कानपुर शहर जो कभी अपनी कपड़ा मिलों और अन्य चीजों के निर्माण के केंद्र के लिए मशहूर था, वह अब सड़क हादसों, झगड़ों और प्रशासनिक कमियों से जुड़ा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक लाल इमली कपड़ा मिल के बंद होने और गंगा में सीवर का पानी जाने के मुद्दे का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि कानपुर की विरासत को कमजोर किया गया है।

सपा के सत्ता में वापस आने पर बदलाव होगा

यादव ने सपा के सत्ता में वापस आने पर बदलाव का वादा करते हुए कहा कि उनकी सरकार कानपुर में लखनऊ से भी बेहतर रिवरफ्रंट बनाएगी, लाल इमली मिल को फिर से चालू करेगी और बड़े औद्योगिक निवेश के लिए बेहतर माहौल बनाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हमें बोलने भी नहीं दिया जा रहा है।

जो नेता सत्ता से बाहर है, उन पर क्या कहना : संजय निषाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री संजय निषाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर कहा, मुख्यमंत्री की बातों का मैं समर्थन करता हूं। देश संविधान से चलता है और संवैधानिक प्रक्रिया के तहत धार्मिक व्यवस्था, सुरक्षा दी गई है। वहीं, समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव के बयान पर उन्होंने कहा, जो नेता सत्ता से बाहर हैं, बयानबाजी और पोस्टरबाजी वाले नेता रह गए हैं उन पर क्या कहना है। उन्होंने अपने समय में कितना सम्मान दिया? हमारी सरकार धर्म, महात्मा, संत को कितना सम्मान देती है यह सबको पता है।

संजय निषाद ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार धर्म और आस्था से जुड़े विषयों पर संतुलित नीति अपनाती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि संविधान ही सर्वोच्च है और उसी के अनुरूप सरकार सभी धर्मों को सम्मान और सुरक्षा प्रदान करती है। मंत्री के अनुसार, राज्य सरकार संत, महात्मा और धार्मिक परंपराओं के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है और कानून-व्यवस्था के माध्यम से हर आयोजन को सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने का प्रयास करती है। मंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीति केवल बयान देने से नहीं चलती, बल्कि जनता के लिए काम करने से विश्वास बनता है। उन्होंने दावा किया कि योगी सरकार ने कानून-व्यवस्था, धार्मिक आयोजनों की सुरक्षा और सामाजिक समरसता के लिए ठोस कदम उठाए हैं। संजय निषाद ने कहा कि सरकार का फोकस जमीन पर काम करने पर है, जबकि विपक्ष केवल बयान देकर सुर्खियों में बने रहना चाहता है।

राज्यमंत्री हरभजन सिंह पर टिप्पणी से पंजाब में बवाल

» कांग्रेस के खिलाफ आप का हल्ला बोल, राज्य के नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) ने पंजाब भर में विरोध प्रदर्शन किया। राज्य के नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा द्वारा राज्य मंत्री हरभजन सिंह के खिलाफ कथित टिप्पणियों के विरोध में जिला कांग्रेस समिति कार्यालयों के बाहर जमा हुए। मंत्री और विधायकों सहित आप के वरिष्ठ नेताओं ने प्रदर्शनों का नेतृत्व किया और दलित समुदाय को निशाना बनाने वाली अपमानजनक टिप्पणियों पर चिंता व्यक्त करते हुए बाजवा से माफी मांगने की मांग की।

आप सदस्यों ने धरने दिए, नारे लगाए और कुछ स्थानों पर कांग्रेस नेताओं के आवासों के बाहर प्रदर्शन किया। रूपनगर में विधायक डॉ. चरणजीत सिंह के नेतृत्व में एक विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने नारा लगाया, दलित विरोधी कांग्रेस मुर्दाबाद! होशियारपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए, आप नेताओं ने बाजवा की टिप्पणियों को दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य बताया और माफी मांगने की मांग की। उन्होंने पंजाब विधानसभा के आगामी बजट सत्र में इस मामले को उठाने की मंशा भी जताई।

उनके हवाले से दिए गए बयानों के अनुसार बाजवा ने इससे पहले मंत्री हरभजन सिंह पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था और उनके बैंड वादक होने की पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए कहा था, जेहरा पहले बैंड वजांदा रहा, एहदा बैंड असिन वजावंगे (जो बैंड वादक हुआ करता था।

पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने इन टिप्पणियों का संज्ञान लिया

जसवीर सिंह गढ़ी की अध्यक्षता में पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने इन टिप्पणियों का संज्ञान लिया। बाजवा ने अपने वकील अरविंद कुमार सचदेवा के माध्यम से आयोग के समक्ष पेशी के दौरान हरभजन सिंह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने से इनकार किया। होशियारपुर में पंजाब विधानसभा के उपाध्यक्ष जय कृष्ण सिंह रौरी ने कहा, लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी की पृष्ठभूमि या पेशे पर टिप्पणी करना उचित नहीं है। पंजाब में ऐसी भाषा का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी पेशे का अपमान करना पंजाब के सांस्कृतिक मूल्यों के विरुद्ध है।

नगर निगम की जमीन पर कब्जे का मामला गरमाया

महापौर ने किया निरीक्षण, अतिक्रमणकारियों पर एफआईआर के निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जोन-8 के ग्राम हरिहरपुर और अंसल खेवली में नगर निगम की जमीन पर कथित कब्जे का मामला सामने आने के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया है। घाटा संख्या-632 867 पर नगर निगम की जमीन पर भूमाफियाओं द्वारा कब्जा कर मिट्टी डाले जाने और निगम का बोर्ड हटाने के आरोप लगे हैं। इस मामले में स्थानीय पार्षद बृजमोहन शर्मा ने लेखपाल अजीत तिवारी पर भूमाफियाओं से मिलीभगत का गंभीर आरोप लगाया है।

पार्षद के अनुसार, नगर निगम की जमीन पर अवैध कब्जा कर उसे बेचने जैसे कार्य किए जा रहे हैं, जिसमें संबंधित लेखपाल की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। उन्होंने मांग की है कि लेखपाल को तत्काल हटाकर निष्पक्ष जांच कराई जाए। मामले का संज्ञान लेते हुए अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव ने मौके पर पहुंचकर भूमि का निरीक्षण किया और स्पष्ट किया कि नगर निगम की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ स्त्रुक्रदर्ज कराई जाएगी। साथ ही लखनऊ विकास प्राधिकरण को पत्र जारी कर सीलिंग की कार्रवाई कराने की बात भी कही गई इसी क्रम में शुक्रवार को महापौर सुषमा खर्कवाल ने ग्राम हरिहरपुर और अंसल खेवली का स्थलीय निरीक्षण किया।

उनके साथ नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान महापौर ने नगर निगम की खाली पड़ी भूमि की स्थिति, सीमांकन और स्वामित्व से संबंधित अभिलेखों की जानकारी ली।

महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नगर निगम की सभी खाली जमीनों का तत्काल सीमांकन कराकर तारबाड़ और बाउंड्री वॉल बनाई जाए, ताकि भविष्य में अतिक्रमण रोका जा सके। उन्होंने कहा कि नगर निगम की संपत्तियों का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही महापौर ने खाली जमीनों के योजनाबद्ध सदुपयोग के निर्देश देते हुए कहा कि इन स्थानों पर पार्किंग, सामुदायिक सुविधाएं या अन्य राजस्व सृजन से जुड़ी परियोजनाएं विकसित की जा सकती हैं। इसके लिए अधिकारियों को जल्द कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा गया।

नगर आयुक्त गौरव कुमार ने भरोसा दिलाया कि महापौर के सभी निर्देशों का समयबद्ध पालन किया जाएगा और भूमि का सर्वेक्षण कर आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।सबसे बड़ा सवाल यह है कि नगर निगम की जमीन पर कब्जे के आरोपों के बावजूद जिम्मेदार कर्मचारियों पर क्या कार्रवाई होती है और कब्जा हटाने की प्रक्रिया कितनी जल्दी पूरी होती है।

बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

देश को जोड़ने का काम करता है खेल : अब्बास हैदर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले टी20 वर्ल्ड कप मुकाबले को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता अब्बास हैदर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश की पूरी जनता की शुभकामनाएं भारतीय टीम के साथ हैं। उन्हें पूरा भरोसा है कि भारतीय टीम न सिर्फ यह मुकाबला जीतेगी, बल्कि पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन करेगी।

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि क्रिकेट देश को जोड़ने का काम करता है। क्रिकेट ऐसा माध्यम है, जो हर वर्ग, हर उम्र और हर सोच के लोगों को एक मंच पर लाता है। भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान राजनीतिक

» समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता ने कहा हम खिलाड़ियों के साथ

मतभेद भले हों, लेकिन देशभक्ति और टीम इंडिया के समर्थन में पूरा देश एकजुट नजर आता है। उन्होंने कहा कि यह मुकाबला सिर्फ रन और विकेट का खेल नहीं है, बल्कि यह करोड़ों लोगों की उम्मीदों, भावनाओं और विश्वास से जुड़ा होता है। ऐसे में हर भारतीय नागरिक की यही कामना है कि टीम इंडिया शानदार प्रदर्शन करें और जीत हासिल करें। अब्बास हैदर ने कहा कि भारत-पाकिस्तान का मुकाबला सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि देशवासियों की भावनाओं से जुड़ा हुआ विषय होता है। जब भी दोनों देशों की टीमें आमने-सामने होती हैं, तो पूरे देश में एक अलग ही उत्साह और जोश देखने को मिलता है. उन्होंने कहा कि इस बार भी देश के 140 करोड़ लोग एकजुट होकर भारतीय टीम के समर्थन में खड़े हैं और हर भारतीय खिलाड़ी के लिए दिल से दुआ कर रहे हैं। अब्बास हैदर ने कहा कि भारतीय टीम इस समय मजबूत फॉर्म में है और खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी काफी ऊंचा है।

टीम में अनुभव और युवा जोश का बेहतरीन संतुलन है, जो बड़े मुकाबलों में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाता है. अब्बास हैदर ने भरोसा जताया कि भारतीय खिलाड़ी दबाव में भी शानदार प्रदर्शन करेंगे और देश का नाम रोशन करेंगे।

बिहार में जारी है अब भी सियासी तकरार

कानून व सुरक्षा को लेकर घिरी नीतीश सरकार

» राजद ने जदयू-भाजपा पर किया प्रहार

» नीतीश व राबड़ी में बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में सत्ताधारी दल और विपक्ष के नेताओं के बीच जुबानी जंग चुनावों के बाद और भी तेज हो गई है। बिहार में बजट सत्र चल रहा है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी के नेता ने को लालू-राबड़ी के शासनकाल का जिक्र करते हुए जंगलराज पर निशाना साधा। बिहार विधानसभा परिसर में बातचीत में जेडीयू के विधायक श्याम रजक ने कहा कि जंगल का जो जानवर है उसको अगर शहर में ले आइएगा तो मन नहीं लगेगा। जंगल में ही उसको मन लगेगा।

इस बयान के बाद राजद ने भी प्रहार किया है। पार्टी की पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने कानून व्यावस्था को लेकर एनडीए सरकार को घेरा है। श्याम रजक ने आगे कहा, जो जंगलराज के लोग थे उनको ये (एनडीए शासन का) राज शोभा नहीं देगा, क्योंकि यहां अमन चैन है, सब कुछ है। घटनाएं होती हैं तो उस पर कार्रवाई भी होती है, अपराधी पकड़े भी जाते हैं, सजा भी होती है, लेकिन जंगलराज वाले लोगों को अच्छा नहीं लग रहा है क्योंकि जंगल का जो जानवर होता है वो जंगल में ही शोभा देता है। हालांकि राजनीति विश्वलेषकों का कहना है कि अब इतने साल सत्ता में रहने के बाद भाजपा-जदयू को पुरानी बातें बार-बार उठाने की बजाए अपने कार्यकाल पर ध्यान देना चाहिए। हत्या और लूट जैसी घटनाओं से जुड़े सवाल पर श्याम रजक ने जवाब देते हुए कहा, हर दिन नहीं हो रही है, मैं ये नहीं कह रहा कि घटनाएं नहीं हुई हैं, घटनाएं हुई हैं और ये हम लोगों के लिए चिंता का विषय है, सरकार, प्रशासन, पुलिस सक्रियता के साथ लगी हुई है।

जानकारी ले लीजिए,कौन लोग राज चलाते थे

इस सवाल पर कि विपक्ष का कहना है कि 2005 से पहले भी घटनाएं होती थीं तो गिरफ्तारी होती थी और कार्रवाई होती थी तो वो कैसे जंगलराज हो गया? इसका मतलब अभी भी तो जंगलराज है? इस पर श्याम रजक ने कहा, मैं उदाहण दूं कि कितने लोगों की गिरफ्तारी होती थी? मैं भी उसका अंग रहा हूं मुझे वो लोग नहीं बताएं कि गिरफ्तारी होती थी और लोग पकड़े जाते थे। सारे लोग तो अगल-बगल बैठे होते थे। नाम लूंगा तो दूसरा बवाल हो जाएगा। अब्दुल बारी सिद्दीकी अच्छे आदमी हैं, मैं उनके बारे में नहीं कह रहा हूं, लेकिन उस राज (आरजेडी) में क्या-क्या नहीं होता था, जानकारी ले लीजिए कि कौन लोग राज चलाते थे।

बिहार में महिला शिक्षकों की गृह जिले में होगी पोस्टिंग हो : राबड़ी देवी

बिहार विधान परिषद में जारी बजट सत्र के दौरान सदन में महिला शिक्षकों के स्थानांतरण का मामला उठा। नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने महिला शिक्षकों को हो रही परेशानी का मुद्दा सदन में जोर-शोर से उठाया। मांग की गई कि जो महिला शिक्षक हैं उनकी पोस्टिंग उनके गृह जिले में ही हो जाए। सदन में राबड़ी देवी ने सभापति से कहा, महिला शिक्षक जो हैं वो एक जिले से दूसरे जिले में चली गई हैं। उनको उसी जिले में कर देना चाहिए जिस जिले की वो हैं। महिलाओं को आने-जाने में परेशानी होती है। बाल-बच्चा देखती हैं, घर भी देखती हैं जो जिला है उसी जिले में घर के आसपास उनकी पोस्टिंग कर देनी चाहिए। इससे महिलाओं को इससे सुविधा होगी। सदन में मौजूद बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने राबड़ी देवी की ओर से उठाई गई मांग पर कहा कि राबड़ी देवी जो बात कह रही हैं उसे हम ग्राह्य कर रहे हैं।

आरजेडी नेताओं ने किया प्रदर्शन

दूसरी ओर बिहार विधान परिषद की नेता प्रतिपक्ष और आरजेडी नेता राबड़ी देवी ने अन्य नेताओं के साथ सदन के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। राबड़ी देवी ने कहा, सम्राट चौधरी ने कहा था कि 24 घंटे में अपराधियों को पकड़ कर सजा दिलवाएंगे नहीं तो इस्तीफा देंगे। वे कहां इस्तीफा दे रहे हैं? हर रोज लड़कियों की हत्याएं, बलात्कार हो रही हैं लेकिन यह सरकार अपराध नहीं रोक रही। आगे राबड़ी देवी ने कहा कि इस सरकार में अपराध रुकने वाला नहीं है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने मीडिया से कहा कि विपक्ष सम्राट चौधरी का इस्तीफा नहीं मांग रहा है। सम्राट चौधरी ही कहते हैं कि अपराधी 24 घंटे में नहीं पकड़े जाएंगे तो हम इस्तीफा दे देंगे तो कहां दे रहे हैं।

देश में सिविल वार भड़काना चाहते हैं नेता प्रतिपक्ष : गिरिराज

केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए उन पर गलत सूचना फैलाने और देश में गृहयुद्ध भड़काने का आरोप लगाया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे द्वारा गांधी के आचरण पर लगाए गए आरोपों के संबंध में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेता किसानों के मुद्दों और भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के उन बयानों का हवाला दिया, जिनमें किसानों के हितों से समझौता न करने का आश्वासन दिया गया था। सिंह ने पत्रकारों से कहा कि किसानों का मुद्दा क्या? झूठ, राफेल की तरह। जनता में भ्रम फैलाना। देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि किसानों के हितों से कोई छेड़छाड़ नहीं होगी। ये लोग सिर्फ देश में भ्रम फैलाना चाहते हैं। ये देश में गृहयुद्ध भड़काना चाहते हैं। यह घटना निशिकांत दुबे द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर संसद में राहुल गांधी के हालिया भाषण के बाद उनके अनैतिक आचरण की जांच के लिए एक समर्पित संसदीय जांच समिति गठित करने का आग्रह करने के बाद सामने आई है।

पंजाब में फिर बाहर आया ऑपरेशन लोटस

बीजेपी में शामिल होने का दिया गया लालच

» आप के विधायक के दावे से कोहराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में एक बार फिर ऑपरेशन लोटस का जिन्न बाहर आया है। आप विधायक नरिंदर कौर भराज ने बीजेपी पर खरीद-फरोख्त का आरोप लगाते हुए हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी का नाम लिया है।

इस बयान के बाद राज्य में सियासी कोहराम मच गया है। संगरूर से विधायक नरिंदर कौर भराज ने भारतीय जनता पाटी पर विधायकों की खरीद-फरोख्त की कोशिश का सनसनीखेज आरोप लगाया है। उन्होंने सीधे तौर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का नाम लेते हुए दावा किया है कि उन्हें बीजेपी में शामिल होने का प्रलोभन दिया गया।

संगरूर से टिकट और मुंहमांगी मुराद का ऑफर

विधायक भराज ने खुलासा किया कि पिछले चार-पांच दिनों से संगरूर का ही एक रसूखदार व्यक्ति बिचौलिया बनकर उनसे संपर्क साध रहा था। उस शख्स ने हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी के साथ उनकी बैठक करवाने की पेशकश की। भराज के मुताबिक, उन्हें ऑफर दिया गया कि अगर वह बीजेपी में शामिल होती हैं, तो उन्हें आगामी चुनाव में संगरूर से ही बीजेपी का टिकट दिया जाएगा। साथ ही यह भी कहा गया कि अगर उनकी कोई और मांग है, तो उसे भी पूरा किया जाएगा। भराज ने बताया कि उन्होंने इस बातचीत के सारे सबूत पार्टी हाईकमान को सौंप दिए हैं और अब आगे की कार्रवाई पार्टी तय करेगी।

2027 चुनाव की तैयारी

गौरतलब है कि हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों को देखते हुए राज्य में अपनी सक्रियता बढ़ा रहे हैं। इससे पहले 2022 में भी आप ने बीजेपी पर अपने विधायकों को पैसों का लालच देकर तोड़ने के आरोप लगाए थे, जिस पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की था।

बीजपी के पास नेताओं का टोटा : चीमा

इस मामले पर पंजाब के वित्त मंत्री और आप के वरिष्ठ नेता हरपाल सिंह चीमा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के पास पंजाब में अपना कोई जनाधार और कद्दावर नेता नहीं है, इसलिए वे हताशा में दूसरी पार्टियों के नेताओं को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं।

हरियाणा सरकार ने कहा झूठ बोल रही आप

दूसरी ओर, हरियाणा के मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने इसे आप की पुरानी रणनीति बताते हुए कहा कि पंजाब सरकार अपने वादे पूरे करने में विफल रही है, इसलिए जनता का ध्यान भटकाने के लिए अब ऐसे मनगढ़ंत आरोप लगा रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

स्वास्थ्य सेवाओं पर अब भी उठते सवाल

अब सवाल उठता है कि सरकारी हेल्थ विभाग में विश्वास किस तरह कायम रखा जा सकता है? केंद्रीय स्तर पर तकनीक आधारित स्वास्थ्य जांच और निगरानी तंत्र का गठन आवश्यक है। स्वास्थ्य अधिकारों पर विधेयक बनाकर डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

देश की आजादी के 78 साल बाद भी भारत में स्वास्थ्य व्यवस्था लचर है। 11 साल से एनडीए गठबंधन के दावे भी खोखले ही साबित हो रह हैं। देखा जाए तो पिछले कुछ सालों में भारत के सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर से लोगों का विश्वास कम होता जा रहा है। उसका मूल कारण है वहां पर सुविधाओं को अभाव और आम लोगों की सुनवाई न होना। अब तो एक और मुश्किल हो गई हैं। बुनियादी सुविधाओं में लापरवाही। उसका ताजा मामला राजस्थान व मध्यप्रदेश में देखने को मिला जहां कप सिरप पीने से कई बच्चों की जान चली गई जबकि कई दिनों से हेल्थ विभाग को ये जानकारी दी गई थी कि इस सिरप में कुछ कमी है जो बच्चों के लिए हानिकारक है पर अधिकारियों ने अनसुना कर दिया है। वहीं राजस्थान में ओटी में शार्ट सर्किट से लगी आग से कई लोग असमय ही काल के गाल में समा गए। अब सवाल उठता है कि सरकारी हेल्थ विभाग में विश्वास किस तरह कायम रखा जा सकता है? केंद्रीय स्तर पर तकनीक आधारित स्वास्थ्य जांच और निगरानी तंत्र का गठन आवश्यक है।

स्वास्थ्य अधिकारों पर विधेयक बनाकर डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। अस्पतालों में साइबर सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्डिंग, और प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देकर मरीजों की गोपनीयता और सेवा की दक्षता को मजबूत बनाया जा सकता है। पारदर्शिता से ही बढ़ेगा स्वास्थ्य तंत्र पर भरोसा सरकारी अस्पतालों में दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता, चिकित्सकों की जवाबदेही और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता जरूरी है। समय पर इलाज, स्वच्छ वातावरण और भ्रष्टाचार-मुक्त व्यवस्था से ही जनता का स्वास्थ्य सेवाओं पर विश्वास कायम रहेगा। भरोसेमंद प्रणाली से ही जनकल्याण के उद्देश्य पूरे हो सकते हैं। जनकल्याण योजनाओं की जानकारी हर व्यक्ति तक पहुंचे। सरकार की ओर से कई स्वास्थ्य योजनाएं चलाई जाती हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में लोग इनका लाभ नहीं उठा पाते। शिविरों के आयोजन और संचार तकनीक के माध्यम से सही जानकारी समय पर आमजन तक पहुंचाई जाए तो वे बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त कर सकेंगे। सूचना की सुलभता ही स्वास्थ्य सुधार की कुंजी है। भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाओं से ही बनता मजबूत समाज। स्वास्थ्य सेवाओं पर विश्वास बनाए रखने के लिए भ्रष्टाचार से मुक्ति और पारदर्शी प्रबंधन आवश्यक है। गुणवत्तापूर्ण देखभाल, सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार और डिजिटल सेवाओं के विस्तार से आमजन तक स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ बन सकती हैं। प्रशिक्षण और संसाधनों का बेहतर उपयोग ही स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत करेगा। भारत में स्वास्थ्य एक बहुत बड़ा समाज को जोड़ने का काम है। इसलिए इसका सुदृढ़ होना जरूरी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्रकृति रक्षा के लिए कड़े कानूनी बदलावों की जरूरत

डॉ. सुधीर कुमार

मानवता ने अपनी प्रगति की गाथा अक्सर प्रकृति की कीमत पर लिखी है। औद्योगिक क्रांति से लेकर आधुनिक डिजिटल युग तक, हमने विकास की अंधी दौड़ में कंक्रीट के ढेर तो खड़े कर लिए, लेकिन इसकी वजह से नदियों को विषाक्त नालों और हरे-भरे जंगलों को रेगिस्तान में तब्दील कर दिया। आज जब हिमालय की नींव धंस रही है और हवा सांसों में जहर घोल रही है, तब एक तीखा सवाल सामने है – क्या अपराध इंसानों के खिलाफ ही 'संगीन' होते हैं? इसी सवाल से एक क्रांतिकारी शब्द ने जन्म लिया – 'ईकोसाइड' यानी 'प्रकृति का नरसंहार'। जिस प्रकार विश्व ने 'जेनोसाइड' को मानवता के विरुद्ध वीभत्स अपराध मानकर दंडित किया, अब प्रकृति के विरुद्ध किए जा रहे इस व्यवस्थित विनाश को भी उसी अंतरराष्ट्रीय कानूनी श्रेणी में रखा जाए। अब न्याय केवल इंसानों के लिए ही नहीं, बल्कि जंगलों और नदियों के लिए भी होना चाहिए, जिनका अस्तित्व हमारी लालसा की भेंट चढ़ गया। वर्तमान परिदृश्य में 'प्रदूषण फैलाने वाला भुगतान करे' का सिद्धांत अपनी सार्थकता खोकर केवल 'वैध व्यापारिक लागत' बनकर रह गया है। बड़ी कंपनियां और औद्योगिक घराने पर्यावरण विनाश से भारी मुनाफा कमाते हैं और कानूनों का उल्लंघन करने पर लगने वाले जुर्माने को अपनी बैलेंस शीट में मामूली खर्च मानकर चुका देते हैं। इस व्यवस्था ने पैसे को संरक्षण के बजाय विनाश का 'लाइसेंस' बना दिया है। ईकोसाइड की अवधारणा इसी खामी पर प्रहार करते हुए नागरिक दायित्व को 'कठोर आपराधिक उत्तरदायित्व' में बदलने की वकालत करती है। संदेश देती है कि प्रकृति कोई 'कमोडिटी' नहीं जिसे नष्ट करके उसकी कीमत चंद रुपयों में चुकाई जा सके; बल्कि जीवंत इकाई है। जब भोपाल गैस त्रासदी और श्रीराम फर्टिलाइजर्स जैसी भयावह घटनाएं हुईं, तो न्यायपालिका ने कानून की सीमाओं को विस्तार दिया। न्यायमूर्ति पी.एन. भगवती ने एम.सी. मेहता बनाम यूनियन ऑफ इंडिया (1987) के मामले में 'एब्सोल्यूट लायबिलिटी' (पूर्ण दायित्व) का सिद्धांत प्रतिपादित किया। स्पष्ट किया कि यदि कोई उद्योग किसी खतरनाक गतिविधि में लगा है और उससे पर्यावरण को कोई नुकसान होता है, तो वह उद्योग बिना अपवाद उत्तरदायी होगा। ईकोसाइड कानून इसी 'पूर्ण दायित्व' के विचार को अगले स्तर पर ले जाता है। यह केवल क्षतिपूर्ति की बात नहीं करता, बल्कि व्यक्तिगत

जवाबदेही और जेल की सजा का प्रावधान करता है ताकि जिम्मेदार अधिकारियों में कानून का भय और प्रकृति के प्रति सम्मान पैदा हो। कानूनी रूपांतरण का वह चरण जहां पर्यावरण का विनाश मानवता के खिलाफ संगीन जुर्म माना जाएगा। इस कानूनी विमर्श का मुख्य केंद्र 'मानव-केंद्रित' दृष्टिकोण से हटकर 'प्रकृति-केंद्रित' न्यायशास्त्र को अपनाना है। भारतीय संविधान (अनुच्छेद 51ए(जी) और 21) पहले से ही पर्यावरण संरक्षण को कर्तव्य और अधिकार मानता है। लेकिन अब समय है प्रकृति के 'स्वतंत्र अधिकारों' को मान्यता देने का। ए. नागराजा (2014) और सलीम बनाम उत्तराखंड राज्य (2017) जैसे मामलों ने जानवरों और नदियों (गंगा-यमुना) को 'विधिक व्यक्ति' का दर्जा देकर नई राह दिखाई है। यदि एक नदी कानून की नजर में 'व्यक्ति' है, तो उसे प्रदूषित करना 'हत्या के प्रयास' जैसा गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। वैश्विक स्तर पर ईकोसाइड को अपराध घोषित करने की मुहिम तेज हो रही है, जहां बेल्जियम और फ्रांस जैसे देशों ने अपने घरेलू कानूनों में इसे शामिल कर मिसाल पेश की है। वर्तमान में 'स्टॉप ईकोसाइड इंटरनेशनल' जैसे संगठन यह प्रयास कर रहे हैं कि अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय की 'रोम संविधि' में संशोधन कर ईकोसाइड को नरसंहार और युद्ध अपराधों की श्रेणी में 'पांचवां अंतर्राष्ट्रीय अपराध' घोषित किया जाए। ताकि कोई राष्ट्र या कॉर्पोरेट विकास की आड़ में पर्यावरण को अपूरणीय क्षति न पहुंचा सके। भारत के लिए ईकोसाइड कानून अपनाना केवल एक कानूनी सुधार नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौटना होगा। 'वसुधैव कुटुंबकम्' और 'माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः' के दर्शन को मानने वाले देश के लिए प्रकृति के अधिकारों की रक्षा करना एक स्वाभाविक कदम है। यह संतुलित प्रगति की परिभाषा है जहां मानवता और प्रकृति सह-अस्तित्व में फलें-फूलें। निश्चित रूप से, ईकोसाइड कानून के मार्ग में 'गंभीर क्षति' को परिभाषित करने और साक्ष्य जुटाने जैसी चुनौतियां हैं। इसके समाधान के लिए हमें अपने कानूनी शिक्षण में 'अर्थ ज्यूरिसप्रुडेंस' को शामिल करना होगा। अब हम जोशीमठ जैसे संकटों या दम तोड़ती नदियों को केवल 'प्राकृतिक आपदा' का लेबल न दें, बल्कि उन मानवीय निर्णयों की आपराधिक जांच करें जिन्होंने इन आपदाओं का मार्ग प्रशस्त किया।

उत्तर कोरिया में नये वारिस की तैयारी

पुष्परंजन

जू ए को उत्तर कोरिया की नई पीढ़ी बहुत बेहतर से जानने लगी है। सर्वोच्च नेता किम जोंग उन, अपनी इस लाड़ली बेटी को भावी शासक के रूप में तैयार करने में लगे हुए हैं। लेकिन क्या जू ए की उम्र 17 पार कर चुकी है? यह सवाल इसलिए, क्योंकि किम जोंग उन ने अपनी इस बेटी की वास्तविक उम्र का खुलासा नहीं किया है। 2022 में कोरियन मीडिया ने इंटेलिजेंस एजेंसियों के हवाले से 12 या 13 साल का बताया, तब भी नॉर्थ कोरिया के तानाशाह व सुप्रीम लीडर किम जोंग उन की तरफ से कोई स्पष्टीकरण नहीं आया था। फ्योंगयांग में एक राजप्रासाद है, 'कुमसुसान पैलेस ऑफ द सन', इस महल को 'जुचे का सर्वोच्च मंदिर' भी कहा जाता है, जहां चिर निद्रा में विराजे नेताओं, किम इल सुंग और किम जोंग इल के शव संरक्षित हैं। इस समाधि स्थल में प्रवेश की आयु 17 साल सुनिश्चित की गई है।

इससे कम का युवा, यहां प्रवेश नहीं कर सकता। यह महल किम इल सुंग के आधिकारिक निवास के रूप में जाना जाता था। वर्ष 1994 में किम इल सुंग की मृत्यु के बाद, इमारत का जीर्णोद्धार किया गया और इसे उनके समाधि स्थल में बदल दिया गया। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने 1 जनवरी, 2026 को नव वर्ष समारोह की एक तस्वीर जारी की, जिसमें किम जू ए अपने माता-पिता के साथ सबसे आगे की लाइन में खड़ी थीं। उन्होंने 'कुमसुसन पैलेस ऑफ द सन' में अपने दिवंगत दादा और परदादा के शवों के आगे सिर नवाया। किम जू ए 2022 में एक मिसाइल लॉन्च वाले कार्यक्रम में अपने पिता के साथ पहली बार पब्लिक में दिखीं। उनके पब्लिक में आने के बाद से, कुछ एनालिस्ट ने अंदाजा लगाया कि उन्हें उत्तर कोरिया का नेतृत्व करने के लिए वारिस के तौर पर ट्रेनिंग दी जा रही है, जबकि दूसरे विश्लेषक अलग-अलग संभावित वारिसों की ओर इशारा करते हैं। 2025 में भी किम जू ए, पेइचिंग में आयोजित चीनी विजय दिवस परेड में दिखीं।

तानाशाह किम जोंग उन अपने पारंपरिक सहयोगी शी और पुतिन के बीच संतुलन बनाये रखते हुए अपनी स्थिति मजबूत करने की कवायद में रहते हैं। लेकिन इन दोनों सहयोगियों के आगे भी अपनी बेटी की उम्र का खुलासा नहीं किया है। अगले दिन वह पब्लिक में नहीं दिखीं, क्योंकि उनके पिता ने थ्येनआनमन स्क्वायर पर आयोजित मिलिट्री परेड में चीनी प्रेसिडेंट शी जिनपिंग और रूसी प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन के साथ सेंटर स्टेज शेयर किया था। लेकिन उससे पहले, 2022 स्टेट मीडिया ने मिसाइल इवेंट में किम और उनकी बेटी की कई तस्वीरें जारी कीं, वह सफेद कोट और लाल जूते में अपने पिता के साथ हाथ में हाथ डालकर चल रही थीं। यह मिसाइल टेस्ट उन बड़े मिलिट्री इवेंट्स की सीरीज में पहला था, जिसमें किम जोंग उन ने अपनी बेटी को दिखाया। उनकी सावधानी से तैयार की गई अपीयरेंस में मिसाइल टेस्ट, एक नेवल डिस्ट्रॉयर का लॉन्च शामिल था। बहरहाल, पेइचिंग की उनकी यात्रा से उनके मेजबान ने यह अंदाजा लगा लिया था कि जू ए भविष्य की वारिस हैं।

'पिता की वारिस' वाली थ्योरी को चीन की उनकी पहली ज्ञात विदेश यात्रा से और बल मिला है। हालांकि, दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसी 'एनआईएस' ने कहा, कि नॉर्थ कोरिया की सत्ता में उत्तराधिकार की प्रक्रिया को लेकर अभी भी कई संभावनाएं हैं, क्योंकि 41 साल के किम जोंग उन अभी भी जवान हैं, उन्हें कोई बड़ी स्वास्थ्य समस्या नहीं है, और उनके दूसरे बच्चे भी हैं। इसके बर'अक्स, कुछ साउथ कोरियाई अधिकारियों और विशेषज्ञों ने शुरू में जू ए को भविष्य का वारिस मानने पर शक जताया था, उन्होंने उत्तर कोरिया के पुरुषों द्वारा सत्ता संरचना और कन्फ्यूशियस के प्रभाव का हवाला दिया था। 1948 में अपनी स्थापना के बाद से, नॉर्थ कोरिया पर लगातार किम परिवार के पुरुष सदस्यों का शासन रहा है। किम जोंग इल ने 1994 में अपने पिता और उत्तर कोरिया के संस्थापक किम इल सुंग की मौत के बाद सत्ता संभाली थी। किम जोंग उन को 2011 के आखिर में अपने पिता किम जोंग इल की मौत के बाद सत्ता विरासत में मिली थी। एनआईएस का मानना है कि पब्लिक इवेंट्स में उन्होंने जो रोल निभाया है, उससे पता चलता है कि वह 'पॉलिसी इनपुट' लेने लगी है। और उन्हें असल में दूसरी सबसे बड़ी लीडर माना जा रहा है।

नॉर्थ कोरिया ने घोषणा की है कि फरवरी, 2026 के आखिर में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की नौवीं कांग्रेस आहूत की जाएगी, जिसमें आर्थिक, विदेशनीति और सुरक्षा पर व्यापक चर्चा की जाएगी। शायद, इसमें किम जू ए की भूमिका पर भी कोई संकेत मिले। 'जू ए' नाम का जिक्र सबसे पहले अमेरिकन बास्केटबॉल प्लेयर डेनिस रॉडमैन ने 2013 में नॉर्थ कोरिया के अपने दौरे के बाद किया था। फरवरी, 2026 के पहले हफ्ते दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसी एनआईएस ने कहा कि किम जू ए ने वारिस ट्रेनिंग पूरी कर ली है, मिलिट्री इवेंट्स में उनकी मौजूदगी, पॉलिसी से जुड़े फैसलों में उनकी बढ़ती भागीदारी और कुमसुसन पैलेस ऑफ द सन के दौरे के विजुअल्स उन कयासों को पुख्ता कर रहे हैं, कि किम की यही राइट च्वाइस बेबी बनेगी। किम जोंग-उन की बहन, यो-जोंग, सत्ता संभालने की दावेदार बनकर धूमकेतु की तरह उभरीं, फिर विलुप्त हो गई। यह किम परिवार में सत्ता संघर्ष की ओर इशारा करता था। कोरियाई मामलों के विशेषज्ञों के अलग-अलग ख्याल थे, पहला, अगर किम यो-जोंग सत्ता में आती हैं, तो उनकी भाभी, री सोल-जू, बहुत घबरा जाएंगी।

महाशिवरात्रि पर रखें व्रत

महाशिवरात्रि एक ऐसा त्योहार है, जिस दिन हर कोई भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए पूजा-अर्चना करता है। ऐसी मान्यता है कि, महाशिवरात्रि के दिन ही माता पार्वती और भगवान शिव का विवाह हुआ था। तब से महाशिवरात्रि का त्योहार काफी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग महाकाल को प्रसन्न करने के लिए व्रत भी रखते हैं। व्रत करते समय कई तरह के नियमों का पालन करना बेहद जरूरी होता है। ऐसा कहा जाता है कि जितनी जल्दी भगवान शंकर खुश होते हैं, उनका गुस्सा भी काफी भयानक हैं। इससे बचने के लिए आपको व्रत में सभी नियमों का पालन करना बेहद जरूरी होता है। व्रत रखते समय सबसे जरूरी बात होती है कि इस दिन आप अन्न नहीं खा सकते।

पूजा की सामग्री और विधि

अगर इस दिन आप मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना करना चाहते हैं तो इसके लिए कई तैयियां करनी होती हैं। जैसे शिव लिंग के अभिषेक के लिए दूध या पानी, कुछ बूंदे शहद एक साथ मिलाएं। अभिषेक के बाद शिवलिंग पर सिंदूर लगाएं। बाद में धूप और दीपक जलाएं। बेल और पान के पत्ते चढ़ाएं। आखिर में अनाज और फल चढ़ाएं। पूजा संपन्न होने तक 'ओम नमः शिवाय का जाप करते रहें।

महाशिवरात्रि पर भोले बाबा की होती है विशेष कृपा

सनातन धर्म में महाशिवरात्रि का खास महत्व है। यह पर्व भगवान शिव को समर्पित है। शिव पुराण के मुताबिक इस दिन शिवजी का प्राकट्य हुआ था। मान्यता है कि इसी दिन शिवजी और देवी पार्वती का विवाह हुआ था। भोलेनाथ ने फाल्गुन मास के चतुर्दशी तिथि को वैराग्य त्याग कर वैवाहिक जीवन को अपना लिया था। मान्यता है जो व्यक्ति इस दिन व्रत रखकर भोलेनाथ की आराधना करता है भोलेनाथ उसके सभी कष्ट हर लेते हैं। इस साल महाशिवरात्रि का त्योहार 15 फरवरी को मनाया जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 15 फरवरी, रविवार के दिन शाम को 5 बजकर 4 मिनट पर होगा। वहीं अगले दिन यानी 16 फरवरी, सोमवार को शाम के 5 बजकर 34 मिनट चतुर्दशी तिथि व्याप्त होगी। शास्त्रों के अनुसार, जिस रात में निशीथ काल में चतुर्दशी तिथि का संयोग बनता है उसी दिन शिवरात्रि मनाई जाती है। ऐसे में महाशिवरात्रि का व्रत 15 फरवरी को रखा जाएगा।

व्रत में इनका करें सेवन

फल-अगर आप शिवरात्रि पर व्रत रखने का सोच रहे हैं, तो खाने का खास ध्यान रखें। व्रत के दौरान आप फल खा सकते हैं। इससे आपकी ऊर्जा भी बनी रहेगी और साथ में पेट भी भरा रहेगा। व्रत में केला, संतरा, सेब, लीची, अनार खाए जा सकते हैं।

ठंडाई-ऐसा कहा जाता है कि व्रत के दौरान पेय पदार्थों को सेवन करना ज्यादा लाभदायक होता है। इसलिए आप शिवरात्रि के व्रत में ठंडाई का सेवन कर सकते हैं। इससे आपका पेट भी भर जाएगा और ये हेल्दी भी रहेगा। व्रत में आप सादा दूध न पीकर उसमें ड्राई फ्रूट्स, केसर, इलायची आदि वाला दूध पी सकते हैं।

सात्विक भोजन- व्रत में हमेशा सात्विक भोजन ही करना चाहिए। व्रत में आप आलू, कद्दू, अरबी और लौकी जैसी सब्जियों का सेवन कर सकते हैं। इसके साथ ही सिंघाड़े या कुट्टू के आटे की पूड़ी खा सकते हैं।

तले-भुने खाने से रहें दूर

अगर आप भी महाशिवरात्रि पर व्रत रख रहे हैं तो तले-भुने खाने से दूर रहना चाहिए। उपवास में तला भुना खाने से पेट दर्द, गैस और अपच की समस्या हो जाती है।

ना करें लहसुन-प्याज का सेवन

भले ही आप शिवरात्रि के दिन व्रत ना रखें, पर इस दिन लहसुन-प्याज का सेवन भी ना करें। ऐसा माना जाता है कि पवित्र दिनों में प्याज-लहसुन का सेवन नहीं करना चाहिए।

ना खाएं सफेद नमक

कहा जाता है कि सफेद नमक में कई तरह के केमिकल होते हैं। ऐसे में व्रत के दिन आप सेंधा नमक खा सकते हैं।

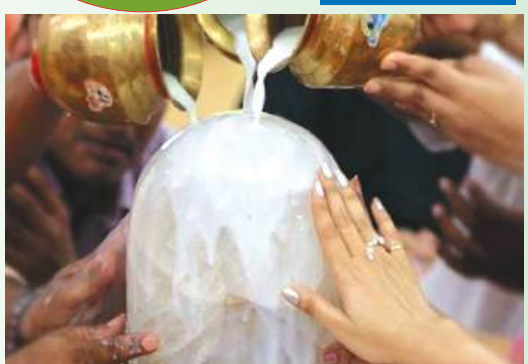

हंसना मना है

लड़की: क्या मैं तुम्हें जानती हूं? लड़का: नहीं, लड़की: फिर तुमने मुझे फ्रेंड रिक्वेस्ट क्यों भेजी? लड़का: क्योंकि फेसबुक बार-बार मुझसे तुम्हें फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजने के लिए कह रहा था और मैं फेसबुक को नाराज नहीं करना चाहता था।

फकीर- आपके पड़ोसी ने पेट भर कर खाना खिलाया है, आप भी कुछ खिलाओ। चिंटु- ये लो हाजमोला।

पत्नी- आखिर औरत क्या-क्या संभाले? तुम को संभाले, तुम्हारे बच्चे संभाले, तुम्हारे मां बाप को संभाले, या तुम्हारा घर संभाले ! पति - (बड़े सुकून से जवाब देता है) औरत सिर्फ अपनी जबान संभाले बाकी सब अपने आप संभल जायेगा।

लड़का- तुम्हारा कोई बॉयफ्रेंड नहीं है? लड़की- नहीं है, लड़का- झूठ! लड़की- झूठ बोल के क्या मिलेगा? लड़का- एक नया बॉयफ्रेंड और क्या..

बबलू पप्पू से- तू स्कूल क्यों नहीं जाता, पप्पू- कई बार गया अंकल वो वापिस भगा देते हैं, बबलू -क्यों? पप्पू- कहते है भाग तेरा क्या काम लड़कियों के स्कूल में?

कहानी | प्यासा कौवा

एक बार की बात है, गर्मियों की चिलचिलाती दोपहर में एक प्यासा कौवा पानी की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था, लेकिन उसे पानी कहीं नहीं मिला। वह प्यासा उड़ता ही जा रहा था। उड़ते-उड़ते उसकी प्यास बढ़ती जा रही थी, जिस कारण उसकी हालत खराब होने लगी। अब कौवे को लगने लगा कि उसकी मौत नजदीक है, लेकिन तभी उसकी नजर एक घड़े पर पड़ी। वो तुरंत हिम्मत जुटाकर उस घड़े तक पहुंचा, लेकिन उसकी खुशी बस कुछ समय के लिए ही थी, क्योंकि उस घड़े में पानी तो था, लेकिन इतना नहीं था कि कौवे की चोंच उस पानी तक पहुंच सके। कौवे ने हर तरह से पानी पीने की कोशिश की, लेकिन वह पानी पीने में सफल नहीं हो पाया। अब कौवा पहले से भी ज्यादा दुखी हो गया था, क्योंकि उसके पास पानी होते हुए भी वह प्यासा था। कुछ देर घड़े को देखते-देखते कौवे की नजर घड़े के आसपास पड़े कंकड़ों पर पड़ी और कंकड़ों को देखते ही उसके मन में एक योजना आई। उसने सोचा कि थोड़ी मेहनत करके अगर वह एक-एक करके सारे कंकड़ घड़े में डाल दे, तो पानी ऊपर आ जाएगा और वो आसानी से पानी पी सकेगा। उसने एक-एक कर आसपास पड़े कंकड़ों को घड़े में डालना शुरू कर दिया। वह कंकड़ों को तब तक घड़े में डालता रहा, जब तक पानी ऊपर उसकी चोंच तक नहीं आ गया। फिर काफी मेहनत के बाद जब पानी ऊपर आ गया, तो कौवे ने जी भरकर पानी पिया और अपनी प्यास बुझाई।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें किसी भी परिस्थिति में हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। मेहनत करते रहना चाहिए, क्योंकि मेहनत करने वाले को ही सफलता मिलती है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा। नौकरी में अधिकारी का सहयोग तथा विश्वास मिलेगा। पारिवारिक व्यस्तता रहेगी। आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा। विवेक से कार्य करें।

वृषभ

लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी। शत्रु पराजित होंगे।

मिथुन

कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें। कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे।

कर्क

यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। कानूनी बाधा दूर होगी। देव दर्शन होंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृपक्ष की चिंता।

सिंह

प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झंझटों में न पड़ें। आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना। शत्रु पराजित होंगे। लाभ होगा।

कन्या

बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना। धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा।

तुला

स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भागदौड़ रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा।

वृश्चिक

लेन-देन में सावधानी रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना।

धनु

भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना। लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा। दुःसमाचार प्राप्त होंगे।

मकर

जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। घर-बाहर अशांति रह सकती है। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। लाभ के योग बनेंगे।

कुम्भ

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। चिंताएं जन्म लेंगी। स्त्री पीड़ा, कुछ लाभ की आशा करें।

मीन

रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। लाभ होगा। अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी।

फरहान अख्तर ने किया हॉलीवुड का रुख फिल्म 'द बीटल्स' में करेंगे अभिनय

बॉलीवुड | गपशप

फरहान अख्तर ने बॉलीवुड में बतौर निर्देशक ही नहीं अभिनेता भी बेहतरीन फिल्में दी हैं। पिछले दिनों वह फिल्म डॉन 3 को लेकर में थे, इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। अब वह हॉलीवुड में डेब्यू को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। खबर है कि वह म्यूजिक बैंड बीटल्स पर बन रही एक फिल्म का वह हिस्सा हो सकते हैं।

डायरेक्टर सैम मेंडेस बड़े स्तर पर एक हॉलीवुड फिल्म द बीटल्स : ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट बना रहे हैं। इसी फिल्म से फरहान अख्तर का हॉलीवुड डेब्यू होगा। वैरायटी की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में वह मशहूर भारतीय सितार वादक रवि शंकर का किरदार निभाएंगे।

बता दें कि सितार वादक रवि शंकर से 'द बीटल्स' म्यूजिक बैंड के जॉर्ज हैरिसन काफी प्रभावित थे। 1960 के दशक में द बीटल्स म्यूजिक बैंड ने इंडियन क्लासिकल म्यूजिक को अपने गानों में शामिल किया था। रवि शंकर और बीटल्स का संगम संगीत जगत की बड़ी घटना बन गई थी। इसी वजह से फिल्म में फरहान अख्तर का रोल अहम हो जाता है।

फिल्म '120 बहादुर' में पिछले साल फरहान अख्तर नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने अभिनय किया था। इसके अलावा वह फिल्म 'डॉन 3' का निर्देशन भी करेंगे। इसमें पहले रणवीर सिंह लीड रोल में थे लेकिन उन्होंने यह फिल्म छोड़ दी है, ऐसी खबरें सुनने को मिल रही हैं।

'रागिनी 3' में तमन्ना भाटिया संग मिलकर डरायेंगे जुनैद खान

फिल्म 'रागिनी 3' को शशांक घोष डायरेक्टेड करेंगे। फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर मेकर्स ने जानकारी साझा की है। इसमें तमन्ना भाटिया के अपोजिट कौन हीरो है? फिल्म में उनकी जोड़ी किसके साथ बन रही है? जानिए।

'रागिनी 3' में जुनैद खान तमन्ना भाटिया के साथ नजर आएंगे। आमिर खान के बेटे जुनैद ने इससे पहले 'लवयापा' जैसी रोमांटिक फिल्म की थी। अब वह हॉरर फिल्म का हिस्सा बन रहे हैं। इसमें तमन्ना और वह दमदार किरदारों में नजर आएंगे। 'रागिनी' सीरीज की फिल्मों में रोमांस, धोखा और हॉरर का डोज दर्शकों को दिया जाता है, ऐसा ही कुछ तीसरी कड़ी में भी देखने को मिलेगा। तमन्ना भाटिया और जुनैद की इस फिल्म में एक उम्दा टीम शामिल है।

साहिर रजा इस प्रोजेक्ट का क्रिएटिव एंगल देखेंगे। शशांक घोष फिल्म के निर्देशक हैं। वह पहले भी बालाजी मोशन पिक्चर्स के साथ 'वीरे दी वेडिंग' और 'फ्रेडी' जैसी सफल फिल्में कर चुके हैं।

फिल्म रागिनी 3 के अलावा तमन्ना भाटिया वी शांताराम की बायोपिक कर रही हैं। वहीं एक हॉरर फिल्म वन भी कर रही हैं। इसके अलावा रेंजर नाम की फिल्म भी उनके पास हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे कभी फिल्म डॉन 3 के लिए अप्रोच नहीं किया गया था : ऋतिक रोशन

हाल ही में रणवीर सिंह ने 'डॉन 3' मूवी से किनारा कर लिया था। इसके बाद से ही फरहान अख्तर की डॉन 3 फिल्म चर्चाओं में है और ये सवाल पूछे जा रहे हैं कि रणवीर के बाद अब कौन इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएगा। अब ऋतिक रोशन ने भी फिल्म को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एक्टर ऋतिक रोशन ने शुक्रवार के दिन खुलासा किया कि उन्हें कभी 'डॉन 3' के लिए अप्रोच नहीं किया गया था। उनका ये बयान तब सामने आया जब ये खबरें सामने आ रही थी कि फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने रणवीर सिंह के जाने के बाद उनकी जगह ऋतिक रोशन को रोल देने के लिए अप्रोच किया है। ऋतिक ने कहा, 'जो अफवाहें फैल रही थी, अब उनपर विराम लगाने का समय आ गया है। मैं साफ तौर पर ये बात कह रहा हूं कि मुझे कभी 'डॉन 3' फिल्म के लिए अप्रोच नहीं किया गया था। मैं मीडिया से अनुरोध करता कि वे इस तरह की किसी भी अपुष्ट रिपोर्ट से दूर रहें।' हालांकि अबतक फरहान अख्तर और रणवीर सिंह ने इन अटकलों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन अफवाहें थीं कि दोनों के बीच किसी मतभेद का असर 'डॉन 3' पर पड़ा है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि ऋतिक रोशन ने इस प्रोजेक्ट में दिलचस्पी दिखाई है। बता दें, फरहान अख्तर ने साल 2023 में डॉन 3 की घोषणा की थी। जिसमें रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी को लीड रोल में बताया गया था। हालांकि, फिलहाल खबरें हैं कि कोई भी कलाकार आधिकारिक तौर पर इस फिल्म से जुड़ा नहीं है। वहीं, फरहान इन दिनों अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रहे हैं। इनमें लंबे समय से चर्चा में रही 'जी ले जरा' और उनका हाल ही में घोषित हॉलीवुड डेब्यू भी शामिल है।

दीमक बने इंजीनियर! मैदान में बना डाला मेगा सिटी बिना एसी के ही ठंडी रहती हैं ये गगनचुंबी इमारतें!

हम दीमकों को सिर्फ घर खराब करने वाला कीड़ा समझते हैं, लेकिन प्रकृति ने इन्हें इंजीनियरिंग का कमाल सिखाया है। ब्राजील के पूर्वोत्तर इलाके में 200 मिलियन से ज्यादा दीमक माउंड्स (मिट्टी के टीले) फैले हैं, जो स्पेस से साफ दिखते हैं। ये माउंड्स 4,000 साल पुराने हैं और ग्रेट ब्रिटेन जितना क्षेत्र कवर करते हैं। हर माउंड 2.5 से 4 मीटर ऊंचा और 9 मीटर चौड़ा है। Syntermes dirus नाम की दीमक प्रजाति ने इन्हें बनाया, जो छोटी-छोटी दीमकें हैं लेकिन सामूहिक रूप से पिरामिडों से 4,000 गुना ज्यादा मिट्टी खोद चुकी हैं। गूगल अर्थ पर ये हनीकॉम्ब पैटर्न में दिखते हैं, जैसे कोई विशाल मेगा सिटी! ऑस्ट्रेलिया में कैथेड्रल टर्माइट्स और भी कमाल करते हैं। ये 8 मीटर (26 फीट) तक ऊंचे माउंड्स बनाते हैं, जो इंसानी स्केल पर चार बुर्ज खलीफा स्टैक करने जैसा है! गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में ये सबसे ऊंचे नॉन-ह्यूमन एनिमल स्ट्रक्चर्स माने जाते हैं। नॉर्दर्न टेरिटरी के मैदानों में ये कैथेड्रल जैसी इमारतें खड़ी हैं, जो हवा, बारिश और गर्मी सहन करती हैं। माउंड्स मिट्टी, लार और मल से बने होते हैं, जो हजारों साल टिकते हैं। सबसे हैरान करने वाली बात इन माउंड्स का नैचुरल एयर कंडीशनिंग सिस्टम है। बाहर से देखने में ये साधारण लगते हैं, लेकिन अंदर हजारों टनल्स, चैंबर्स और चिमनीज का जटिल नेटवर्क है। ये स्टैक इफेक्ट से काम करता है-गर्म हवा ऊपर चिमनी से निकलती है, ठंडी हवा नीचे से आती है। CO2 और मीथेन जैसे गैस बाहर निकलते हैं, तापमान 30एष्ट पर स्थिर रहता है, चाहे बाहर 40-50एC हो। इनके अंदर विंड और सोलर एनर्जी से हवा सर्कुलेट होती है, वो भी बिना किसी मशीन के! ये सिस्टम इतना एडवांस है कि आर्किटेक्ट्स इसे कॉपी कर रहे हैं। जिम्बाब्वे का ईस्टगेट सेंटर, मिक पियर्स ने डिजाइन किया, जो टर्माइट माउंड्स से इंस्पायर्ड है। ये 90 प्रतिशत कम एनर्जी यूज करता है AC में। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें वायरल हो रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये माउंड्स सिर्फ घर नहीं, बल्कि पूरा इकोसिस्टम है। अंदर फंगस फार्मिंग होती है, जो दीमकों का खाना बनाती है। वेंटिलेशन सिस्टम ऑक्सीजन लाता है, गैस बाहर निकालता है। हाल के रिसर्च में पाया गया कि माउंड्स की दीवारें पोरस होती हैं, जो हवा को फिल्टर करती है। ये बायोमिमिक्री का बेस्ट एग्जांपल है जहां प्रकृति से सीखकर हम एनर्जी-एफिशिएंट बिल्डिंग्स बना सकते हैं।

अजब-गजब | 120 किग्रा का बच्चा पैदा करता है यह जीव

9 नहीं, पूरे 22 महीने बच्चे को गर्भ में पालती है ये मां

मां बनने का अहसास वाकई बेहद खूबसूरत होता है। जहां इंसान इस सफर को पूरा करने में नौ महीने का समय लेता है, वहीं प्रकृति ने कुछ जीवों को ऐसा सफर दिया है जो इंसानी समझ से परे लगता है। हम बात कर रहे हैं हाथियों की, खासकर हथिनी की, जो अपने बच्चे को गर्भ में पालने में इंसानों से दोगुना से भी ज्यादा समय लगाती है। जी हां, हाथी की गर्भावस्था अवधि 18 से 22 महीने तक होती है, जो पृथ्वी पर किसी भी स्तनधारी जीव में सबसे लंबी मानी जाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, अफ्रीकी हाथियों में गर्भकाल औसतन 22 महीने का होता है, जबकि एशियाई हाथियों में यह 18 से 22 महीने के बीच रहता है।

इसका मुख्य कारण हाथियों का विशाल आकार और उनका अत्यधिक विकसित मस्तिष्क है। हाथी का बच्चा गर्भ में ही जटिल दिमाग विकसित करता है, जो जन्म के बाद सामाजिक व्यवहार, संचार और कौशल सीखने में मदद करता है। इस लंबी अवधि में बच्चा पूरी तरह तैयार होकर दुनिया में आता है, ताकि वह जंगल की चुनौतियों का सामना कर सके। एक सामान्य इंसानी बच्चे की तुलना करें तो हाथी का नवजात बछड़ा जन्म के समय ही 90 से 120 किलोग्राम तक का होता है और उसकी लंबाई लगभग एक मीटर से ज्यादा होती है।

हाथी का बच्चा जन्म के तुरंत बाद वह कुछ ही मिनटों में खड़ा हो जाता है और मां का दूध पीने

लगता है। लेकिन इस चमत्कार के पीछे हथिनी की पीड़ा भी कम नहीं है। प्रसव की प्रक्रिया में हथिनी को काफी दर्द सहना पड़ता है। ज्यादातर मामलों में हथिनी खड़े होकर ही बच्चे को जन्म देती है। बच्चा पहले सिर और अगले पैरों से बाहर आता है। पूरा प्रसव प्रक्रिया कुछ मिनटों से लेकर कुछ घंटों तक चल सकती है, लेकिन कभी-कभी यह कई दिनों तक भी खिंच जाती है। ज्यादातर हथिनियां अपने झुंड की अन्य मादाओं के साथ रहती हैं। प्रसव के समय पूरा झुंड हथिनी के चारों ओर घेरा बनाकर खड़ा हो जाता है, ताकि कोई शिकारी या खतरा ना पहुंच सके। अन्य हथिनियां इसमें मदद करती हैं। बच्चे को उठाने, साफ करने और उसे खड़ा करने में दूसरी हथनियां हेल्प करती हैं। कई बार, खासकर जंगली परिस्थितियों में या कैद में, हथिनी को अकेले ही दर्द झेलना पड़ता है। दर्द इतना तीव्र होता है कि वह चीखती है, पूंछ से पीटती है, और कभी-कभी घुटनों के बल बैठ जाती है। हाथियों की प्रजनन दर भी कम होती है। एक हथिनी जीवनकाल में सिर्फ 4 से 5 बच्चे ही पैदा करती है, क्योंकि हर 4 साल में एक बार ही गर्भधारण संभव होता है। 22 महीने की गर्भावस्था के बाद अगला बच्चा आने में काफी समय लगता है। हाथी 60 से 70 साल तक जीते हैं, लेकिन उनकी प्रजनन क्षमता सीमित होने से जनसंख्या बढ़ना मुश्किल होता है। यही कारण है कि अवैध शिकार और वनों की कटाई से हाथी प्रजाति खतरे में है। हाथी का बच्चा जन्म से ही काफी विकसित होता है। वह देख सकता है, सुन सकता है और चल सकता है। मां उसे कई सालों तक दूध पिलाती है और सिखाती है। बछड़ा 2-3 साल तक मां के साथ रहता है और झुंड में अन्य सदस्य भी उसकी देखभाल करते हैं। यह सामाजिक संरचना हाथियों को जंगल के सबसे बुद्धिमान और शक्तिशाली जीव बनाती है। वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चला है कि हाथी का मस्तिष्क गर्भ में ही तेजी से विकसित होता है। इस दौरान हार्मोनल बदलाव होते हैं, जो प्रसव को नियंत्रित करते हैं। प्रसव से पहले हथिनी अलग-अलग संकेत दिखाती है। जैसे बार-बार मल-मूत्र त्यागना, पूंछ हिलाना, या झुंड से थोड़ा अलग होना। प्रसव के बाद बच्चे को झुंड के सभी सदस्य स्वागत करते हैं, जैसे कोई उत्सव हो। इंसान 9 महीने में मां बन जाता है, लेकिन हथिनी को 22 महीने इंतजार करना पड़ता है। फिर भी, दोनों में ममता एक जैसी होती है।

तेलंगाना के नतीजों ने स्पष्ट कर दी राजनीतिक दिशा : खरगे

» कांग्रेस अध्यक्ष ने जनता के विश्वास को सराहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन ने शुक्रवार को तेलंगाना में निकाय चुनावों में पार्टी की शानदार जीत की सराहना करते हुए कहा कि जनादेश लोगों के विश्वास को दर्शाता है। तेलंगाना में सत्तारुढ़ कांग्रेस ने नगर निकाय चुनावों में जोरदार जीत हासिल की। तेलंगाना के नगर निकाय चुनावों के नतीजों ने राज्य की राजनीतिक दिशा स्पष्ट कर दी है। सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी ने इन चुनावों में शानदार प्रदर्शन करते हुए विपक्ष को काफी पीछे छोड़ दिया है। इस बड़ी जीत पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने खुशी जताते हुए इसे जनता के भरोसे की जीत बताया है।

राज्य में जीत से गदगद है कांग्रेस

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने को तेलंगाना में निकाय चुनावों में पार्टी की शानदार जीत की सराहना करते हुए कहा कि जनादेश लोगों के विश्वास को दर्शाता है। तेलंगाना में सत्तारुढ़ कांग्रेस ने नगर निकाय चुनावों में जोरदार जीत हासिल की। वहीं, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। राज्य के 116 नगर निकायों में कुल 2,582 वार्ड में से कांग्रेस ने 1,300 से अधिक वार्ड में जीत हासिल की।

रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के लिए बूस्टर

यह जीत मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के लिए एक बड़े बूस्टर के रूप में देखी जा रही है। जहां बीआरएस अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने की कोशिश में जुटी है, वहीं भाजपा ने कुछ शहरी केंद्रों (जैसे करीमनगर और निज़ामाबाद) में अपनी पकड़ मजबूत की है। कुल मिलाकर, स्थानीय स्तर पर कांग्रेस के इस प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि राज्य की कल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक नीतियों पर जनता ने अपनी मुहर लगा दी है।

बीआरएस व भाजपा पिछड़े

बीआरएस ने लगभग 700 वार्ड और भाजपा ने लगभग 275 वार्ड में जीत दर्ज की। नगर निकाय चुनाव 11 फरवरी को हुए थे। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''तेलंगाना स्थानीय निकाय चुनावों में सराहनीय जीत के लिए कांग्रेस के प्रतिबद्ध जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को मेरा आभार। यह जनादेश लोगों के विश्वास को दर्शाता है।''जिन सात नगर निगमों में चुनाव हुए, उनमें से कांग्रेस ने तीन में जीत हासिल की और एक में आगे है, जबकि भाजपा ने करीमनगर और निज़ामाबाद में अधिकतर सीट हासिल कीं। कोठागुडेम नगर निगम में कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

शांति विधेयक को जल्दबाजी में पारित किया : जयराम रमेश

» कहा- यह विधेयक पसंदीदा लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाया गया है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के कड़े विरोध के बावजूद, संसद ने गुरुवार को भारत के परिवर्तन के लिए परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन और विकास (शांति) विधेयक को पारित कर दिया, जिससे भारत के कड़ाई से नियंत्रित परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी और विदेशी भागीदारी के द्वार खुल गए। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि पिछले सत्र में, निजी कंपनियों को परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का स्वामित्व और संचालन करने की अनुमति देने के लिए शांति विधेयक को संसद में जल्दबाजी में पारित किया गया। राज्यसभा में अपने भाषण में मैंने कहा था कि शांति विधेयक पसंदीदा लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाया जा रहा है। अब हमें शांति का असली अर्थ समझ आ गया है।

वहीं इस विधेयक को लेकर सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य अपने विकसित भारत कार्यक्रम के तहत 2047 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को लगभग 10 गुना बढ़ाकर 100 गीगावाट करना है। भारत के परमाणु ऊर्जा संयंत्र, जो वर्तमान में सरकारी स्वामित्व वाली 'न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया' के स्वामित्व और संचालन में हैं, की कुल क्षमता 8.8 गीगावाट है। कांग्रेस सांसद ने बीजेपी पर नीति निर्माण में सार के बजाय दिखावे को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। रमेश ने कहा कि बीजेपी पहले एक संक्षिप्त नाम खोजती है और फिर उसके आधार पर अधिनियम या नीति बना देती है, उन्होंने मजबूत कानून निर्माण और गंभीर संसदीय जांच की कीमत पर प्रमुख योजनाओं के ब्रांडिंग के प्रति जुनून का उपहास किया। उन्होंने कहा, लेकिन भारत और अमेरिका के बीच 2008 के समझौते ने कई रास्ते खोले, और इसका एक परिणाम यह विधेयक है। यह विधेयक उसी 2008 के समझौते के कारण संभव हो पाया है, जिसका आपने विरोध किया था। रमेश ने कहा कि यह विधेयक तीन स्तंभों पर आधारित है- निजी क्षेत्र की भागीदारी, परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व ढांचे के तहत परमाणु दायित्व, और परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड।

जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से दी मात

» टी20 विश्वकप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर, 170 चेज नहीं कर सके कंगारू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलंबो। टी20 विश्वकप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर हो चुका है। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हरा दिया है। यह मुकाबला कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में दो विकेट गंवाकर 169 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पूरी पारी 19.3 ओवर में 146 रन पर सिमट गई। यह जिम्बाब्वे टीम की ऑस्ट्रेलिया पर टी20 में दूसरी जीत है। इससे पहले जिम्बाब्वे ने 2007 टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया था। दोनों के बीच अब तक चार बार आमना-सामना हुआ है। इसमें से दो बार ऑस्ट्रेलियाई टीम और दो बार जिम्बाब्वे की टीम जीती है।

सिकंदर रजा की टीम का टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड है। यानी अब तक कंगारू जिम्बाब्वे की टीम को इस टूर्नामेंट में हरा नहीं पाए हैं। साथ ही ग्रुप-बी में भी सुपर-8 में पहुंचने की जंग दिलचस्प हो चली है। अब ऑस्ट्रेलिया पर सुपर-8 की दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। उसे अब अपने सभी मैच जीतने होंगे। एक हार उनकी उम्मीदों पर पानी फेर सकता है। फिलहाल ग्रुप-बी में श्रीलंका दो मैचों में दो जीत और चार अंक लेकर शीर्ष पर हैं। वहीं, जिम्बाब्वे के भी दो मैचों के बाद चार अंक हैं। ऑस्ट्रेलिया के दो मैचों के बाद दो अंक हैं। टीम तीसरे स्थान पर है। अब ऑस्ट्रेलिया को अगला मैच श्रीलंका से खेलना है और अगर हारे तो बाहर हो जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया को अब मनाना है कि जिम्बाब्वे या श्रीलंका एक-एक मैच हारे और कंगारू अपने बाकी सभी मैच बड़े अंतर से जीतें।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में द्रविड़-कुंबले के नाम पर होगा स्टैंड

बंगलूरू। वेंकटेश प्रसाद के नेतृत्व वाले केएससीए ने बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत के दिग्गज खिलाड़ी अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ के नाम पर स्टैंड रखने का फैसला किया है। कुंबले टेस्ट और वनडे में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर के बाद टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन द्रविड़ ने बनाए हैं। दोनों ही खिलाड़ी भारत के कप्तान रहे हैं। इसके साथ ही द्रविड़ और कुंबले टीम के मुख्य कोच भी रह चुके हैं। कुंबले ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह कहना गलत होगा कि हम सभी के योगदान ने कर्नाटक क्रिकेट को वह मुकाम दिलाया है, ठीक उसी तरह जैसे कर्नाटक क्रिकेट ने हम सभी को बनाया है। वहीं, द्रविड़ ने कहा, चिन्नास्वामी स्टेडियम मेरे लिए दूसरा घर जैसा है और जैसा कि कुंबले ने कहा कि यह वो स्थान है जहां हमने अपने घर से भी ज्यादा समय बिताया है। यह ऐसी जगह है जहां हमें कई खुशियां मिलीं और कुछ मौकों पर निराशा भी हाथ लगी, लेकिन आज मैं जो कुछ भी हूं इसी स्थान के कारण हूं।

सरमा असम के सबसे असफल सीएम

» गौरव गोगोई ने कहा- सरमा सरकार जानबूझकर एफआईआर की संख्या कम कर रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को राज्य का सबसे असफल सीएम बताते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। सरमा सरकार जानबूझकर एफआईआर की संख्या कम कर रही है ताकि अपराध नियंत्रण का झूठा दावा किया जा सके, जिससे आम जनता, विशेषकर महिलाओं को न्याय से वंचित किया जा रहा है। एपीसीसी के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री सरमा को राज्य का सबसे असफल मुख्यमंत्री और गृह मंत्री बताया।

गोगोई ने आरोप लगाया कि जब कोई महिला पुलिस स्टेशन जाती है, तो असम पुलिस उसकी शिकायत या एफआईआर दर्ज नहीं करती। कुछ दिन पहले, घोषणापत्र समिति के रूप में, हमने विभिन्न जिलों और आम जनता से पूछा था, और वकीलों के संगठनों ने हमें बताया था कि जहां पहले 3000-4000 एफआईआर दर्ज होती थीं, अब केवल 300-400 ही दर्ज हो रही हैं। गोगोई ने आगे आरोप लगाया कि महिलाओं के खिलाफ अपराध और नशीली दवाओं से संबंधित अपराध बढ़ गए हैं, लेकिन मामले औपचारिक रूप से दर्ज नहीं किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा क्यों हो रहा है? मुख्यमंत्री केवल एफआईआर की संख्या कम करके यह दिखाना चाहते हैं कि अपराध कम हो गया है। स्थानीय लोग, विशेषकर महिलाएं, न्याय से वंचित हो रही हैं। अपने हमले को और तेज़ करते हुए, कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री पर कानूनी कार्रवाई के ज़रिए आलोचकों को चुप कराने की कोशिश करने का आरोप लगाया। गोगोई ने कहा कि क्या वह राजनेता नहीं हैं?

कानूनी के बजाय राजनीतिक लड़ाई को प्राथमिकता

उन्होंने कहा कि वह कानूनी लड़ाई के बजाय राजनीतिक लड़ाई को प्राथमिकता देते हैं। अगर मुख्यमंत्री में राजनेता के तौर पर हिम्मत है, तो हमसे सीधे मुकाबला कीजिए। मुझ पर पाकिस्तान से संबंध जोड़ने के आरोपों पर हम भी मुकदमा कर सकते हैं, लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता। मैं एक राजनेता हूं, और मुझे जनता की अंतरात्मा पर भरोसा है। मैं उनसे राजनीतिक रूप से, सड़क पर, लड़ना चाहता हूं, अदालत में नहीं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि असम की जनता सच्चाई से वाकिफ है और मुख्यमंत्री पर राजनीतिक विरोध से डरने का आरोप लगाया।

5 लड़कियों ने चखा पॉइजन, 4 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद जिले में 5 नाबालिग लड़कियों ने स्वाद जानने के लिए जहर खाया, जिनमें से 4 की मौत हो गई। इसमें से बची एक लड़की ने पूरी कहानी बताई। पुलिस ने बच्ची का बयान दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच कर रही है।

यह घटना 29 जनवरी को हुई। पांच नाबालिग लड़कियां एक खेत में गई, लेकिन उनमें से सिर्फ एक ही घर लौटी और चार की मौत हो गई। लड़की ने बताया कि वह सब एक सुनसान जगह पर गए और एक जहरीली चीज खाई जो आम तौर पर बगुले मारने के लिए इस्तेमाल होती है। सभी ने स्वाद चखने के लिए उसे खाया था। लड़की ने बताया कि मेरी दोस्त ने कहा कि चलो इसे खाते हैं और देखते हैं कि हम जिंदा रहेंगे या मरेंगे'।

ट्रेड डील पर किसानों को गुमराह कर रहे राहुल : पीयूष गोयल

» कहा- किसानों के हित पूरी तरह से सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच पिछले दिनों हुए ट्रेड डील को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार जुबानी जंग चल रही है। एक बार फिर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल में लोस में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा और इस करार को लेकर कांग्रेस नेता पर किसानों को गुमराह करने के लिए एक सोची-समझी, बनावटी और नकली कहानी पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि किसान सुरक्षित तो देश विकसित होगा।

गोयल ने आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल कुछ कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं के कंधों पर बैठकर, जो किसान नेता होने का दिखावा कर रहे हैं- पूरी तरह से बेबुनियाद और बनावटी बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुए ट्रेड डील में किसानों के हितों को मोदी सरकार ने पूरी तरह से सुरक्षित रखा है और यह भी दावा किया कि ऑन रिकॉर्ड और पूरी जिम्मेदारी के साथ किया जा रहा है।

ऐतिहासिक इमामबाड़े में लाखों की चोरी से हड़कंप

शायर एजाज जैदी की अंजुमनों से इंसाफ की अपील, एक मुस्लिम आईपीएस अधिकारी पर आरोपियों को बचाने का पीड़ित परिवार का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । पुराने लखनऊ के ऐतिहासिक इमामबाड़ा क़स्रे हसनैन में हुई लाखों रुपये की चोरी ने न सिर्फ इलाके बल्कि पूरे शहर में सनसनी फैला दी है। इस मामले में मशहूर शायर एजाज़ जैदी ने मुख्यमंत्री और पुलिस प्रशासन को पत्र लिखकर न्याय की मांग की है और तमाम अंजुमनों से हस्तक्षेप की अपील की है।

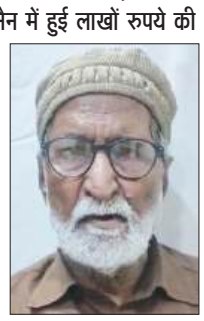

पीड़ित परिवार का आरोप है कि मामले में नामजद महिला को बचाने के लिए एक प्रभावशाली पुलिस अधिकारी दबाव बना रहे हैं जिसके चलते अब तक निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हो पाई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, 23 दिसंबर 2025 को सआदतगंज थाना क्षेत्र स्थित क़स्रे हसनैन इमामबाड़े में चोरी की वारदात हुई जिसकी प्राथमिकी संख्या 0315 दर्ज की गई।

परिवार की बहू पर चोरी का आरोप

पीड़ित परिवार के सदस्य हाशिम मेहदी जैदी और उनकी पत्नी शीबा रिजवी ने आरोप लगाया है कि चोरी का संदेह परिवार की ही एक बहू बतूल रिजवी पर है, जिनके पास अलमारियों की चाबियां रहती थीं। उनका कहना है कि घटना के तुरंत बाद पुलिस ने मौखिक रूप से भी यही संकेत दिया था कि चोरी अंदर के व्यक्ति द्वारा की गई है, लेकिन बाद में जांच की गति धीमी पड़ गई और कार्रवाई ठंडी पड़ गई। इस पूरे मामले में शायर एजाज़ जैदी ने एक भावुक अपील जारी की है, जिसमें उन्होंने कहा कि क़स्रे हसनैन इमामबाड़ा लगभग सौ साल पुराना धार्मिक स्थल है, जहां आज तक कभी इस तरह की कोई आपराधिक घटना नहीं हुई। उन्होंने कहा कि यह इमामबाड़ा न सिर्फ एक इमारत बल्कि धार्मिक आस्था और सामाजिक सम्मान का प्रतीक है, जहां हर साल धार्मिक कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं।

एजाज जैदी के ताजा आरोप

एजाज़ जैदी ने अपनी अपील में यह भी आरोप लगाया कि एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जो आरोपी महिला के रिश्तेदार बताए जा रहे हैं, जांच को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह न केवल गैरकानूनी है बल्कि न्याय प्रक्रिया के खिलाफ भी है। उन्होंने पुलिस से निष्पक्ष, स्वतंत्र और बिना किसी दबाव के जांच कराने की मांग की है ताकि सच्चाई सामने आ सके और पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। पीड़ित परिवार ने इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय और अन्य उच्च अधिकारियों को भी पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद भी ठोस कार्रवाई नहीं की और आरोपी के खिलाफ कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया।

ताला तोड़कर नहीं बल्कि खोल कर हुई चोरी

शिकायत के अनुसार चोरी घर के अंदर रखी अलमारियों से हुई, जिनके लॉक तोड़े नहीं गए बल्कि चाबी से खोले जाने के संकेत मिले। पुलिस की प्रारंभिक जांच में भी इस बात की पुष्टि हुई कि घटना में किसी बाहरी व्यक्ति के बजाय घर के अंदर के किसी व्यक्ति की भूमिका होने की संभावना है। एफआईआर में दर्ज विवरण के मुताबिक चोरी गए जेवरात और कीमती सामान की अनुमानित कीमत करीब 31,75,250 रुपये आंकी गई है। इसमें लगभग 720 ग्राम सोने के सेट, सोने के कंगन, टीका, अंगूठियां, चांदी की पायल, एंटीक चांदी के सिक्के, फिरोजा सेट और अन्य कीमती वस्तुएं शामिल हैं। दस्तावेजों में उल्लेख है कि इनमें कई वस्तुएं पारिवारिक विरासत और दहेज से जुड़ी थीं, जिनका ऐतिहासिक और भावनात्मक महत्व भी है।

अंजुमनों में रोष जल्द हो घटना का खुलासा

इस मामले के सामाजिक और धार्मिक आयाम भी हैं। चूंकि घटना एक इमामबाड़े में हुई है, इसलिए इसे समुदाय की प्रतिष्ठा से भी जोड़कर देखा जा रहा है। एजाज़ जैदी ने तमाम अंजुमनों और सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वे आगे आकर न्याय की मांग करें और इस ऐतिहासिक स्थल की गरिमा को बनाए रखने में सहयोग करें। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुराने लखनऊ में इस तरह की घटना दुर्लभ है और इससे लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। कई सामाजिक संगठनों ने भी इस मामले में पारदर्शी जांच की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।फिलहाल यह मामला न केवल एक आपराधिक घटना बल्कि सामाजिक, धार्मिक और प्रशासनिक विश्वास की कसौटी बन गया है। अब सबकी निगाहें पुलिस जांच और प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं कि क्या पीड़ित परिवार को न्याय मिलेगा या यह मामला भी प्रभाव और दबाव के बीच दबकर रह जाएगा।

पीएम मोदी के असम दौरे पर मचा सियासी घमासान

» कांग्रेस ने भाजपा पर किया प्रहार

» फ्लाइट की टिकट बुक मणिपुर भी चले जाएं पीएम : खेड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पीएम मोदी के असम दौरे पर सियासी घमासान मच गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस ने जोरदार हमला बोला है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर उनसे हिंसा प्रभावित मणिपुर जाने की मांग की है। उनके इस पोस्ट के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

पवन खेड़ा ने अपने पोस्ट में लिखा कि चुनाव वाले राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता बन जाते हैं, लेकिन मणिपुर को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि मणिपुर 2023 से हिंसा झेल रहा है और हालात अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुए हैं।उन्होंने यह भी लिखा कि प्रधानमंत्री इस समय असम में हैं और मणिपुर वहां से ज्यादा दूर नहीं है। ऐसे में उन्हें वहां जाकर लोगों से मिलना चाहिए. उनके मुताबिक, प्रधानमंत्री की मौजूदगी से मणिपुर के लोगों को भरोसा मिल सकता है।

फ्लाइट टिकट की फोटो साझा की

कांग्रेस नेता ने अपने पोस्ट के साथ गुवाहाटी से इम्फाल की फ्लाइट टिकट की तस्वीर भी साझा की. उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री की सुविधा के लिए टिकट बुक कर दिया गया है और उन्हें सिर्फ विमान में सवार होना है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास प्रधानमंत्री का नंबर नहीं था, इसलिए टिकट सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। खेड़ा ने केंद्र सरकार के पीएम के यर फंड का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को मणिपुर जाकर यह दिखाना चाहिए कि वे सच में राज्य की चिंता करते हैं.

मणिपुर में 2023 से जातीय हिंसा की घटनाएं सामने आती रही हैं. विपक्ष लगातार केंद्र सरकार से सवाल करता रहा है. वहीं सरकार का कहना है कि हालात सुधारने और शांति बहाल करने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं. सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से इस बयान पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है. इस पूरे मामले को लेकर सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है. जहां कांग्रेस समर्थक इसे मणिपुर की अनदेखी बता रहे हैं, वहीं विरोधी इसे राजनीतिक दिखावा कह रहे हैं।

मुंबई में भरभराकर गिरानिर्माणाधीन मेट्रो का पिलर, एक की मौत, कई घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मेट्रो का पिलर गिरने से भयानक हादसा हो गया। घटना मुलुंड की है। जहां अचानक भरभराकर मेट्रो का पिलर गिर गया। जिसकी चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए।

मुलुंड पश्चिम में निर्माणाधीन मेट्रो पिलर का सीमेंट का हिस्सा नीचे से गुजर रहे ऑटो रिक्शा पर गिरा, जिससे कई लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। घटना के बारे में बीएमसी ने बताया कि आज (शनिवार) दोपहर 12.20 बजे जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी, एलबीएस रोड, मुलुंड (पश्चिम) के पास मेट्रो पिलर का एक हिस्सा गिर गया।

निर्माण के दौरान सीमेंट मेट्रो पिलर का एक हिस्सा टूटकर एक रिक्शा पर गिर गया। हादसे के तुरंत बाद मुंबई फायर ब्रिगेड, पुलिस, मेट्रो स्टाफ, वार्ड स्टाफ और 108 एम्बुलेंस सेवा मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू कर दिया। हादसे में कई लोग घायल हो गए। बाद में इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि निर्माणाधीन मेट्रो रेल मार्ग के एक खंभे का हिस्सा गिरने से तीन से चार लोगों के घायल हो गए।

कोलकाता एयरपोर्ट पर इंडिगो फ्लाइट को मिली बम से उड़ाने की धमकी

» रोका गया विमान टॉयलेट से मिला लेटर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता एयरपोर्ट पर उस समय हड़कंप मच गया जब शिलॉन्ग जाने वाली इंडिगो की एक फ्लाइट के टॉयलेट से बम की धमकी वाला संदिग्ध नोट मिलने की जानकारी सामने आई. एहतियात के तौर पर विमान को तुरंत अलग स्थान पर ले जाया गया और सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी। कोलकाता से शिलॉन्ग जा रही इंडिगोकी फ्लाइट 6ई-7304 के टॉयलेट से एक संदिग्ध नोट बरामद हुआ।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक नोट में बम होने की धमकी लिखी होने की आशंका जताई गई है। सुबह 9: 15 बजे उड़ान भरने वाली इस फ्लाइट को तय सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत यात्रियों से दूर आइसोलेशन बे में ले जाकर खड़ा कर दिया गया इसके बाद बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की टीमों ने विमान की गहन तलाशी शुरू की। अधिकारियों के अनुसार सभी यात्रियों को सुरक्षित तरीके से विमान से उतार लिया गया है. एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और हर जरूरी कदम उठाया जा रहा है।

राहुल की किसानों संग बैठक पर भाजपा ने उठाए सवाल

» कांग्रेस नेता भ्रामक बातें फैला रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद कार्यालय में किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के संबंध में उनकी चिंताओं को सुना। इस कदम पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रि या व्यक्त करते हुए इस मुलाकात को सुनियोजित बताया और कांग्रेस नेता पर भ्रामक बातें फैलाने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते में शुल्क प्रावधानों को लेकर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि इस समझौते से भारत के कपास किसानों और कपड़ा निर्यातकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। गांधी ने कहा कि जहां अमेरिका में भारतीय कपड़ों पर 18 प्रतिशत शुल्क लगता है, वहीं बांग्लादेश को अमेरिकी कपास आयात करने की शर्त पर कपड़ों के निर्यात पर शून्य प्रतिशत शुल्क का लाभ दिया जा रहा है। नीतिगत ढांचे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी कपास का आयात घरेलू किसानों को नुकसान पहुंचाएगा, जबकि इसका आयात न करने से कपड़ा उद्योग को नुकसान होगा। उन्होंने आगे दावा किया कि बांग्लादेश भारत से कपास के आयात में संभावित कमी या रोक के संकेत दे रहा है, जिससे भारतीय उत्पादकों की स्थिति और खराब हो सकती है।

किसानों ने कहा- भारत-अमेरिका डील से कृषि क्षेत्र के लिए सुरक्षा उपाय कमजोर हो सकते हैं

इसके साथ ही विपक्ष के नेता गांधी ने देश भर के 17 प्रमुख किसान संघों के प्रतिनिधियों से बातचीत की। प्रतिभागियों के अनुसार, संघों ने आशंका व्यक्त की कि व्यापार ढांचा भारतीय किसानों, विशेषकर मक्का, सोयाबीन, कपास, फल और मेवे की खेती करने वाले किसानों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकता है। किसान प्रतिनिधियों ने समझौते के विरोध में एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन की आवश्यकता पर बल दिया, यह तर्क देते हुए कि इससे किसानों की आय कम हो सकती है और कृषि क्षेत्र के लिए सुरक्षा उपाय कमजोर हो सकते हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सभा को किसानों की बता रही कांग्रेस : भाजपा

वहीं, एक्स पर एक पोस्ट में, भाजपा ने राहुल गांधी की मुलाकात की तस्वीर साझा की, जिसमें उपस्थित कई लोगों को हरियाणा और पंजाब में सहयोगी कांग्रेस दलों के नेताओं के रूप में चिह्नित किया गया है। पार्टी ने पोस्ट में लिखा कि राहुल गांधी का एक और झूठ, देश के सामने बेनकाब। जिसे किसानों के साथ बैठक बताया जा रहा था, वह वास्तव में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सभा थी। राहुल गांधी ने इस देश की लगभग हर संस्था और समुदाय का राजनीतिकरण और अपमान किया है, और अब वे किसानों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। पार्टी ने आगे लिखा कि सुनियोजित राजनीति वास्तविक नेतृत्व का स्थान नहीं ले सकती। देश ईमानदारी का हकदार है, न कि कांग्रेस के मनगढ़ंत बयानों और राजनीतिक हथकंडों का।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com |website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा